जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – दिसम्बर 2021 ।। अंक – 17 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

अन्दर के पृष्ठों में...

बदलाव की बयार
मुखिया बनी जीविका दीदी
(पृष्ठ – 02)

शराबबंदी हेतु
दीदियों ने ली शपथ
(पृष्ठ – 03)

दीदियों के लिए दीदियों द्वारा
वीडियो का निर्माण और प्रसार
(पृष्ठ – 04)

पूर्ण मद्य निषेध की सफलता में जीविका दीदियों की भूमिका अहम

सामुदायिक संगठनों के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर काम करने वाली जीविका बिहार में समाज सुधार अभियान को सफल बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है। शराबखोरी, दहेज प्रथा और बाल–विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए जीविका दीदियां समाज को निरंतर जागरूक करने के अभियान में लगी हुई है।

वर्षों से शराब का दंश झेल रही महिलाओं ने जीविका के सामुदायिक संगठनों के माध्यम से वर्ष 2012 से नशा के खिलाफ अपनी मुहिम शुरू कर दी थी। जीविका दीदियां जागरूकता रैलियों, नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन कर समाज को नशा से खिलाफ जागरूक करने लगी थी। इसके अलावा वे स्थानीय शराब दुकानों को बंद कराने और शराबियों को शर्मसार करने लगी थीं। शराब के खिलाफ जीविका दीदियों की सक्रियता, आक्रमकता एवं एकजुटता का संदेश आखिरकार सरकार तक पहुंचा।

9 जुलाई 2015 को पटना में जीविका एवं महिला विकास निगम द्वारा आयोजित 'ग्राम वार्ता' के कार्यक्रम में बिहार के माननीय मुख्यमंत्री बिहार उपस्थित थे। विधिवत कार्यक्रम के तहत माननीय मुख्यमंत्री जी सभा को सम्बोधित करने के उपरान्त अपनी कुर्सी पर बैठने लगे थे कि तभी दर्शक दीर्घा में बैठी जीविका दीदियों ने एकजुट होकर शराबबंदी के लिए आवाज उठाई। दीदियों ने कहा, 'मुख्यमंत्री जी शराब बंद कराइए, शराब! इससे हमारा घर–परिवार पूरी तरह तबाह हो रहा है।' यह आवाज सुनते ही माननीय मुख्यमंत्री जी तत्काल खड़े हुए और माइक हाथ में लेकर बोल पड़े– ''अगली बार सरकार में आएंगे तो बिहार में शराब बंद कर देंगे।'' मुख्यमंत्री की इस घोषणा के साथ ही वहां उपस्थित महिलाओं ने स्वागत किया।

नई सरकार के गठन के बाद 26 नवंबर 2015 को मद्य निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री बिहार ने जीविका दीदियों की उपस्थिति में 01 अप्रैल 2016 से बिहार में देशी शराब के उत्पादन, बिक्री एवं इसके सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की दी। इस प्रकार बिहार में देशी शराब पर प्रतिबंध 1 अप्रैल 2016 से प्रभावी हो गया। वहीं इसके ठीक चार दिन बाद 5 अप्रैल 2016 को सरकार ने राज्य में पूर्ण मद्य निषेध लागू करने की घोषणा कर दी।

राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बाद इसे प्रभावी बनाने हेतु जीविका के संकुल संघ एवं ग्राम संगठन स्तर पर एक निगरानी समिति का गठन किया गया ताकि शराब निर्माताओं एवं उपयोगकर्ताओं की पहचान कर इसकी सूचना प्रशासन दी जा सके। जीविका दीदियों ने कई अवैध शराब की दुकानों और भट्ठियों को नष्ट किया और अवैध शराब को जब्त कराने के लिए पुलिस की मदद की है। कई शराब निर्माताओं, बिक्रेताओं एवं उपयोगकर्ताओं की पहचान कर बिहार सरकार द्वारा जारी टॉल फ्री नम्बर– 18003456268 एवं 15545 पर शिकायत दर्ज कराया गया। इसके बाद प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई की गई। संकुल संघ एवं ग्राम संगठन द्वारा शराब छोड़ने वालों को रोजगार के वैकल्पिक साधन भी सुझाए गए।

प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को नशा मुक्ति दिवस पर जीविका दीदियां लोगों को नशा नहीं करने के लिए जागरूक करती है और उन्हें शराब का सेवन नहीं करने की शपथ दिलवाती है। जीविका दीदियों ने भी अपने समाज एवं गांव को शराब से मुक्त रखने की शपथ लेती है। जीविका दीदियों द्वार लगतार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान एवं सतर्कता से राज्य में शराबबंदी का सफल क्रियान्वयन हो पाया है।

बदलाव की बयार मुखिया बनी जीविका दीदी

समय दर समय आधी आबादी ने समाज में अपनी शक्ति को दर्शाया और पुरुष के वर्चस्व वाले किले को ध्वस्त किया है। पंचायत चुनाव में भी आधी आबादी के तौर पर बिहार के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कर रही जीविका दीदियों ने अपनी धमक दिखाई है। पंचायत चुनाव के रंग में घुलकर महिला समाज कि शक्ति को गुलजार किया है। बिहार के लगभग सभी जिलों के पंचायतों में जीविका दीदियों ने वार्ड सदस्य से लेकर मुखिया और जिला परिषद् तक में अपनी विजय का परचम लहराया है। उन्हीं में से एक हैं बक्सर जिला अंतर्गत ब्रहमपुर प्रखंड स्थित कैथी पंचायत की श्रीमती पाना देवी। 52 वर्षीय पाना गृहिणी हैं और वर्ष 2018 से माँ लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह में सदस्य के रूप में जुड़ी। कैथी निवासी कृषक कुंदन सिंह की पत्नी पाना देवी अब जीविका दीदी के साथ मुखिया जी के नाम से भी अपनी पहचान बनाई है। जीविका दीदियों के कहने पर पाना ने पंचायत चुनाव में मुखिया पद के लिए चुनाव लड़ा और अपने पुरुष प्रतिद्वंदी निकी सिंह को 220 वोट से हरा दिया। साक्षर और तीन बच्चों की माँ पाना देवी को कुल 1344 वोट मिले। बदलाव के बयार का नेतृत्व करते हुए पाना देवी ने पुराने मुखिया को तो परास्त किया ही पुरुष वर्चस्व के किले को भी ध्वस्त कर दिया। उनकी जीत के पीछे जीविका समूहों और सचिन जीविका महिला ग्राम संगठन के माध्यम से गाँव के विकास और विभिन्न जागरूकता अभियान का नेतृत्व और महिला सशक्तिकरण के लिए किये गए कार्य रहे। जीविका के संबल से अपने सामजिक कार्यों के बदौलत जीत हासिल करने वाली पाना देवी अपने पंचायत के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, गली–नाली, सड़क निर्माण आदि कार्यों को प्राथमिकता के तौर पर लेंगी। इसके अलावा वो शराबबंदी, दहेज प्रथा उन्मूलन एवं बाल विवाह उन्मूलन के लिए भी कार्य करेंगी।

बेली जीविका समूह की दीदी आशिया देवी बनी प्रखंड प्रमुख

सुपौल जिले के छातापुर प्रखंड अर्न्तगत बेली जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य आशिया देवी ने छातापुर प्रखंड प्रमुख का ताज हासिल किया है। हाल ही में सम्पन्न पंचायत चुनाव–2021 में अशिया देवी राजेश्वरी पूर्व पंचायत से पंचायत समिति सदस्य पद के लिए निर्वाचित हुई। इसके बाद छातापुर प्रखंड प्रमुख पद के लिए हुए मतदान में उन्होंने नवनिर्वाचित 33 पंचायत समति सदस्यों में से 17 सदस्यों का मत प्राप्त कर प्रखंड प्रमुख का पद हासिल किया है। वहीं इनके प्रतिद्वन्दी को 16 मत प्राप्त हुए। इस तरह कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर आशिया देवी प्रखंड प्रमुख बनी है। इसके पूर्व वह 'राजेश्वरी पूर्व' पंचायत में वार्ड सदस्य में निर्वाचित हुई और पिछले 5 वर्षों तक अपने क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रही थी।

जीविका दीदी से लेकर प्रखंड प्रमुख तक का उनका सफर बेहद शानदार रहा है। वर्ष 2010 में आशिया देवी जब समूह से जुड़ी थी, तब वह बिल्कुल एक सामान्य महिला की तरह ही थी। लेकिन समूह में जुड़ने के बाद वह धीरे–धीरे सामाजिक विषयों में रुचि लेने लगी और जन समस्याओं पर जीविका दीदियों के बीच खुलकर बात करने लगी। इसके बाद पंचायत चुनाव–2016 में क्षेत्र की जीविका दीदियों के समर्थन एवं सहयोग से वह वार्ड सदस्य पद पर निर्वाचित हुई। पिछले 5 वर्षों तक उन्होंने वार्ड सदस्य के रूप में काम करते हुए काफी लोकप्रियता हासिल कर ली थी। तदुपरान्त अब प्रखंड क्षेत्र के नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों का बहुमत प्राप्त कर वह पूरे प्रखंड का नेतृत्व करने जा रही है। जीविका दीदी के रूप में पहचानी जाने वाली आशिया देवी अब पूरे छातापुर प्रखंड के विकास की डोर थाम कर उसे आगे बढ़ाएंगी।

नशा मुक्ति दिवस

नशा मुक्ति दिवस के दिन 26 नवंबर 2021 को खगड़िया जिला "जीवन का है लक्ष्य हमारा – नशा मुक्त हो समाज हमारा" और "जो हुआ शराब का शिकार – उजड़ा उसका घर परिवार" जैसे नारों से गुंजायमान हो उठा।

नशा मुक्ति दिवस के पूर्व ही जीविका, खगड़िया मद्य निषेध और शराबबंदी अभियान को सहयोग दे रही है। खगड़िया जिला के सातों प्रखंडों, 1391 ग्राम संगठनों और 28 संकुल संघो द्वारा नशा मुक्ति दिवस के मौके पर कई जगह शपथ समारोह, जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। 26 नवंबर को पुरे जिले में नशा मुक्ति दिवस के मौके पर जीविका दीदियों ने प्रभात फेरी, मशाल रैली, मेहंदी, रंगोली, वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कर लोगों एवं समाज को जागरूक किया गया।

जीविका जिला कार्यालय में जिला परियोजना प्रबंधक की उपस्थिति में सभी जीविका कर्मियों ने नशा मुक्त समाज बनाने के लिए शपथ लिया। इसके साथ ही प्रखंड स्तर पर खगड़िया सदर कार्यालय में 20, अलौली में 15, मानसी में 6, चौथम में 11, गोगरी में 12, बेलदौर एवं परबत्ता में 13–13 जीविका कर्मियों ने शपथ लिया। इसी दिन माननीय मुख्यमंत्री बिहार के सम्बोधन को जीविका दीदियों ने सुना। जीविका से जुड़ी दीदियों ने ठाना है कि एक सफल और स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है जब हमारा समाज नशा और शराब जैसे नशीले पदार्थों से दूर रहे। हमारा आने वाला भविष्य तभी उज्ज्वल होगा जब हमारा समाज पूर्ण रूप से शराब और नशा मुक्त हो। जीविका की दीदियाँ निरंतर जन–जागरूकता का कार्य कर रही हैं।

शराबबंदी हेतु दीदियों ने ली शपथ

पूर्णियाँ जिला के बैसा प्रखंड के रौटा पंचायत अंतर्गत भेभड़ा गाँव के चौहान टोला में हिमालय जीविका महिला ग्राम संगठन एवं ज्योति जीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों ने शराब बनाने एवं बेचने वालों के खिलाफ एक बार फिर से अभियान चलाकर अपने टोले में शराब का कारोबार बंद करवाने में सफलता हासिल की हैं। वर्ष 2016 से राज्य में शराबबंदी के बाद चौहान टोला में भी शराब का निर्माण एवं बिक्री बंद हो गया था। परंतु पिछले कुछ माह से शराब का कारोबार गाँव में कुछ लोगों द्वारा किया जाने लगा। शराब के कारोबार से गाँव का माहौल खराब होने लगा। इस टोले के महिलाओं एवं पुरुषों दोनो को हीं शराब के निर्माण एवं बिक्री से परेशानी होने लगी। दिनोंदिन परेशानी बढ़ती जा रही थी। शराब के निर्माण एवं बिक्री से गाँव के लोगो को हो रहे परेशानी को दूर करने एवं गाँव को बदनामी से बचाने के लिए ग्रामीणों ने 22 जुलाई 2021 को बैठक आयोजित किया। बैठक में शराब के कारोबार करने वाले ग्रामीणों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान शराब के कारोबार करने वालो से ग्रामीणों ने कहा कि आज से आपलोग शराब बेचना बंद कर दीजिए नहीं तो बेचने वाले को पकड़े जाने पर प्रशासन द्वारा कानूनी कार्रवाई की जायेगी। सभी शराब के कारोबार करने वालों ने बैठक के दौरान इकरार किया कि आज से हमलोग शराब नहीं बेचेंगे और अगर बेचते हुए पकड़े जायेंगे तो जो भी कानूनी कार्रवाई होगा हमलोगों को मंजूर होगा। 3 अगस्त 2021 को शराबबंदी हेतु हिमालय जीविका महिला ग्राम संगठन की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सभी ने शराब का सेवन एवं कारोबार नहीं करने का शपथ लिया। समाज हित में सर्वसम्मति से शराबबंदी लागू करने हेतु एक पाँच सदस्यीय समिति बनाई गयी। इस बैठक से जीविका दीदियों का शराबबंदी अभियान के प्रति हौसला बढ़ा है।

दीदियों के लिए दीदियों द्वारा वीडियो का निर्माण और प्रसार

जीविका में ज्ञान प्रबंधन को और मजबूत करने की दिशा में एक नया आयाम जुड़ गया है। इस कड़ी में सामुदायिक संगठनों से जुड़ी दीदियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को वीडियो फिल्म निर्माण एवं उसके प्रसारण से संबंधित तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराकर उन्हें क्षमतावान बनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय के लिए समुदाय द्वारा निर्मित वीडियो फिल्मों का समुदायों के बीच प्रसारण सुनिश्चित करना है। स्थानीय स्तर पर निर्मित ये वीडियो फिल्म अपनी बोली/भाषा में होने की वजह से दीदियों के लिए यह अधिक रुचिकर एवं प्रभावी है।

वीडियो निर्माण का प्रशिक्षण : बिहार के प्रत्येक जिले में 10 से 15 सामुदायिक पेशेवरों का चयन कर उन्हें डिजिटल ग्रीन के माध्यम से 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें वीडियो निर्माण हेतु तीनों प्रमुख चरणों– प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन के बारे में जानकारी दी गई। प्री प्रोडक्शन के अन्तर्गत विषयों का चयन, पटकथा लेखन एवं स्टोरी बोर्ड तैयार करने के बारे में बताया गया। इसी तरह प्रोडक्शन के तहत वीडियो शूटिंग करने संबंधी विभिन्न बारीकियों जैसे– कैमरा ऑपरेट करने, विभिन्न प्रकार के शॉट्स, सीन कैप्चर करने, कैमरा एंगल, कैमरा मुवमेंट, वीडियो फूटेज जैसी बारीक तकनीक के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद पोस्ट प्रोडक्शन के अन्तर्गत वीडियो एडिटिंग करने एवं टाइटल, कैप्शन एवं क्रेडिट आदि का प्रयोग कर सम्पूर्ण रूप से वीडियो फिल्म का निर्माण करने के बारे में उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। इस दौरान सामुदायिक पेशेवरों को अलग–अलग टीम में विभक्त किया गया। इन टीमों द्वारा विषयों के चयन से लेकर स्टोरी बोर्ड तैयार करने और समुदाय के बीच जाकर वीडियो शूट करने का काम किया गया। इसके पश्चात टीम के सदस्यों द्वारा वीडियो का संपादन कर एक पूर्ण फिल्म का निर्माण किया गया। इस प्रकार अब प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित इन सामुदायिक पेशेवरों की टीम द्वारा समुदाय स्तर पर लगातार छोटे–छोटे वीडियो का निर्माण किया जाने लगा है। सुपौल जिले की सामुदायिक पेशेवर शोभा भरती, सोनी कुमारी और अंजुली कुमारी बताती है कि पहले उन्हें फिल्म निर्माण के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। लेकिन प्रशिक्षण के उपरान्त अब वे समूह एवं ग्राम संगठन स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का वीडियो क्लिप तैयार करने लगी है। इस प्रशिक्षण से उनमें दक्षता के साथ–साथ आत्मविश्वास आया है।

वीडियो प्रसारण का प्रशिक्षण : सामुदायिक पेशेवरों को पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से वीडियो के प्रसारण के बारे में भी दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है। इसके अन्तर्गत वीडियो प्रसारण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, प्रश्नोत्तरी, प्रसारण के बाद फीडबैक लेने आदि के बारे में जानकारी दी गई।

प्रभाव : प्रशिक्षित सामुदायिक पेशेवरों द्वारा वीडियो निर्माण एवं समुदाय के बीच इसके सही प्रसारण से समाज में व्यापक प्रभाव पड़ा है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि संचार के विभिन्न माध्यमों में से वीडियो या फिल्मों को सबसे प्रभावी माध्यम माना गया है। ऐसे में स्थानीय लोगों द्वारा तैयार ये वीडियो स्थानीय बोली/भाषा में होने की वजह से समुदाय को जागरूक करने में बेहद असरदार साबित हो रहा है। शराबबंदी, दहेज प्रथा एवं बाल विवाह के खिलाफ समाज में चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य–पोषण–स्वच्छता हेतु दीदियों के बीच व्यवहार परिवर्तन संचार में वीडियो प्रसारण की उल्लेखनीय भूमिका है। पिको प्रोजेक्टर के माध्यम से इन विषयों पर बनी फिल्मों एवं स्थानीय स्तर पर तैयार वीडियो ग्राम संगठन एवं संकुल संघ स्तर पर दीदियों के बीच प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके अलावा जीविकोपार्जन संबंधी अच्छी गतिविधियों के बारे में वीडियो के माध्यम से दीदियों को जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जा रहा है, इससे उन्हें नई गतिविधि अपनाने में मदद मिलती है।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णियाँ
- श्री बिप्लव सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री विकास कुमार राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर
- सुश्री जूही – प्रबंधक संचार, खगड़िया